अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च 2016

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं एम0के0पी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 08 मार्च 2016 को अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ''प्रेरणादायक परिवर्तन/Inspiring Change विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

राज्य स्तरीय गोष्ठी का आयोजन एम0के0पी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय देहरादून में प्रातः 10.30 बजे से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 कुसुम नरियाल, महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उपस्थित थीं।

गोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ0 कुसुम नरियाल, महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, डॉ0 कैलाश जोशी, अपर परियोजना निदेशक, डा0 इन्दु सिहं, प्राचार्य एम0के0पी0 महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात यूसैक्स अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा मुख्य अतिथि एवं मंचासीन सदस्यों को पुष्प गुच्छ भेंट किया गया। तत्पश्चात एम0के0पी0 महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा

वंदना/स्वागत गीत एवं नाटिका गीत प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत किया गया। डॉ0 कैलाश जोशी, अपर परियोजना निदेशक, यूसैक्स द्वारा स्वागत सम्बोधन दिया गया तथा प्रतिभागियों को यूसैक्स द्वारा दी जा रही सेवाओं एवं गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी गयी।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बी0एस0एन0एल0 के माध्यम से 92,000 बी0एस0एन0एल0 उपभोक्ताओं के मोबाईल पर संदेश भेजे गये। इसके अतिरिक्त अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक माह हेतु जनपद देहरादून में 10 बस शैल्टर विभिन्न स्थानों में लगाये गये।

डॉ0 कैलाश जोशी, अपर परियोजना निदेशक द्वारा बताया गया कि 08 मार्च 2016 को अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस के लिये संयुक्त राष्ट्र संध द्वारा इस वर्ष की थीम Inspiring Change/ प्रेरणादायक परिर्वतन रखा गया है। महिला समानता को लेकर जो प्रयास किये गये हैं, उससे काफी सकारात्मक परिणाम निकले हैं परन्तु दुनिया में अभी भी महिलाओं को लेकर काफी असमानतायें हैं। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस जहां एक ओर महिलाओं के सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक उपलब्धियों को गिनवाता है वहीं दुनिया का ध्यान उन क्षेत्रों की ओर आकर्षित करता है जहां अभी भी कार्य किये जाने हैं। आज कम्यूनिकेशन का हर चैनल सकारात्मक प्रवक्ता, कैम्पेन, रिसर्च और कोरपोरेटस सभी अपनी जिम्मेदारी समझें और महिलाओं की तरक्की ने जो प्रेरणादायक परिर्वतन किया है उसको और बढ़ाने के लिए एडवोकेसी करें। एच0आई0वी0/एड्स को लेकर महिलायें सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं इसलिये हर महिला को गर्भावस्था के समय आई0सी0टी0सी0 में जाकर एच0आई0वी0 की जांच अवश्य करानी चाहिए।

मुख्य अतिथि डॉ0 कुसुम नरियाल, महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा बताया

गया कि एच0आई0वी0 संक्रमण का एक मुख्य कारण संक्रमित माँ से उसके होने वाले बच्चे को है। यह संक्रमण गर्भावस्था की स्थिति में, बच्चे के पैदा होते समय एवं बच्चे को स्तनपान कराते समय हो सकता है। इसलिए हर गर्भवती माँ एच0आई0वी0 की जाँच तथा अस्पताल में अपना प्रसव कराये। केवल खून की जांच से ही एच0आई0वी0 का शरीर में उपस्थिति का पता लगाया जा सकता है। यह जांच समस्त आई0सी0टी0सी0 केन्द्र, सरकारी अस्पताल में मुफ्त उपलब्ध है। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा स्मृति चिन्ह वितरण किये गये। तत्पश्चात अंत में डा0 कैलाश जोशी, अपर परियोजना निदेशक, यूसैक्स द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

सौरभ सहगल
सहायक निदेशक (डॉक्यूमेंटेशन)
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति,
देहरादून।